9. पढ़ो और समझो

1. पढ़कर सुनाओ

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़ कर सुनाना है। पहले सभी चुपचाप अपने मन में गद्यांश को पढ़ लो। जो शब्द समझ न आए, उनके नीचे लाईन खीं च लो। इन शब्दों का अर्थ गुरुजी से पूछो। फिर कोई एक छात्र गद्यांश को पढ़े और सब ध्यान से सुनें। पढ़ते समय इन बातों पर ध्यान दे: धीरे पढ़े, ज़ोर से और साफ पढ़े। जहां (,) का चिन्ह और (।) का चिन्ह है वहां रुके। जहां उचित हो आवाज़ भी बदले। मानो मोहन ने गुस्से से कहा "भाग जाओ यहां से।" यह पढ़ते समय आवाज़ में गुस्सा दिखना चाहिए।

गद्यांश पढ़ और सुन लेने के बाद सब अपने मन से उसका शीर्षक अपनी कापी में लिख लें। फिर पुस्तक बंद कर के अपने शब्दों में इस गद्यांश का सार भी लिखें।

भोपाल के बड़े तालाब के पास आज भीड़-भाड़ है। रास्तों पर कुछ बैनर लगे हैं। उन पर कुछ बातें भी लिखी हुई हैं। जैसे, "जब हम दुनिया को ज़िन्दा रखने के लिए रात दिन जुटे रहते हैं, फिर भी लोग हमें क्यों मारना चाहते हैं?"

"हमने तुम्हें खाने को फल, सब्ज़ी, अनाजं, मछली जैसी कई चीज़ें दी हैं तो तुम हमें ज़हरीला कचरा और गंदगी क्यों दे रहे हो?"

इन बातों को पढ़ते-पढ़ते हो हल्ला बढ़ गया। पूछताछ करने पर पता चला, आज यहां पानी पंचायत हो रही है। इसमें कई नदियां, तालाब, बांध तथा कुएं भाग ले रहे हैं। इतने में ही प्रमुख अतिथि गंगा नदी वहां पहुंच गईं। हम भी अपना समय गंवाए बिना पंचायत में एक ओर बैठ गए।

पंचायत में तालाब के आसपास के पशु-पक्षी भी मौजूद थे। गंगा ने कुर्सी पर विराजते ही रहीम का दोहा, "रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून, पानी गए न उबरै, मोती मानस चून" पढ़ा और पंचायत की कार्यवाही शुरू की।

भोपाल तालाब ने सबका स्वागत करते हुए पानी पंचायत बुलाने के कारण बताए। तालाब ने कहा कि, "वर्षों पहले मुझे दो-ढाई लाख लोगों की प्यास बुझाने की जिम्मेदारी देकर भोपाल में बसाया गया था। पर पिछले कुछ वर्षों से मेरे ऊपर अत्याचार बढ़ रहे हैं। अब मुझे 8-10 लाख लोगों को पानी देने के लिए कहा जा रहा है। क्या यह मेरे लिए संभव है? कहां 2 लाख की आबादी और अब कहां आठ लाख से भी ज्यादा। उस पर भी मेरे अंदर आस-पास की मिट्टी,

कचरा, गंदा पानी, खरपतवार आदि इकट्ठी हो रही है। भला इन सबके रहते मैं कैसे साफ पानी लोगों को दे सकता हूं? पिछले वर्षों में बरसात भी पर्याप्त रूप से नहीं हुई है, इससे हमारी परेशानी और बढ़ गई है। लोग हमारे पानी की बुराई कर रहे हैं। उससे बीमारियां फैल रही हैं। मैंने अपनी पीड़ा आपको इसलिए बताई है कि ताकि आप भी अपनी आपबीती पंचायत के सामने रखें। जिससे हम मिलजुल कर समस्या को समझें और निदान ढूंढें।"

सभी ने ताली बजाकर तालाब की बातों का समर्थन किया। और जोर से नारा लगाया, "दुनिया को जीवन देने वाले पानी को खराब .... किसने किया, किसने किया?"

2. खिचड़ी को सुलझाओ

यहां दो पाठों की बातें मिल गई हैं। दोनों को अलग करके अपनी कापी में लिख लो। ये अंश किन पाठों से लिए गए हैं?

भारत में भहुत पुराने समय से बुनकर कपड़ा बुनते आए हैं। दिन भर बैठे एकटक काम करने से बहुत से बीड़ी बनाने वालों को तरह-तरह की बीमारियां होती है। तम्बाकू के साथ काम करने से सिर भारी होने लगता है। कपड़ा बनाने का सारा काम बुनकर के घर पर उसके परिवार के लोग मिल कर करते थे। आखें दुखने लगती है। वे रूई धुनकते, पोनी बनाते और अपनी तकली या चरखे पर सूत कातते थे। सांस लेने में तकलीफ भी होती है। रूई तो बुनकर किसानों से खरीद लेता था। फेफड़ों की बीमारियां और फेफड़ों का कैंसर भी अधिक होता है। बुने हुए कपड़े को रंग में डाल कर रंगा जाता था।

3. शब्द बनाओ

शब्द बनाने हैं। नीचे दिये गये अक्षरों से कम से कम 15 शब्द बनाने हैं — **स ख ल च न ट म र य ड क श ड़**। *किसी भी मात्रा का उपयोग कर सकते हैं, जैसे,* ृ ु ि ी ा े ै ं । *एक ही शब्द में अक्षरों का बार-बार उपयोग कर सकते हैं जैसे टमाटर, मामा। शब्द बनाते जाओ और अपनी कापी में लिख लो। चमड़े के कारखानों से संबंधित कम से कम पांच शब्द होने चाहिए। इन पांचों शब्दों के साथ-साथ एक-एक वाक्य बनाओ। उदाहरण:* **खाल** *- मेरे मामा ने चमड़े के कारखाने में खाल पहुंचाने का ठेका लिया है।*

4. सुलझाओ पहेली

तुम्हें पहेलियों को हल करना है। सारे शब्द कानून से संबंधित हैं। ज़रूरत हो तो "कोर्ट कचहरी और न्याय" पाठ फिर से पढ़ना।

1. पुलिया का या बह गया
   थाने पर ज़रूर मिलेंगे।
2 कील के आगे टांगो
   काले-कोट धारी बन जाये।
3. गवार का र गायब
   इस व्यक्ति ने दिए सबूत।
4. विद्यालय में विद्या नहीं
   यहां फैसला होता है।
5. दीवार के र पर झगड़ा हुआ
   पर मामला थाने में नहीं गया।
6. चमत्कार से तुक सोचो
   तुम भी अपने हक समझो।
7. फरशी फर हो गयी
   जब कोर्ट की तारीक आई।
8. बया के घोंसले में न जाओ
   कचहरी में बात कहनी पड़ेगी

पहली पंक्ति बताती है कि हमें पहले शब्द का क्या करना चाहिए। उदाहरण के लिये, पुलिया का 'या' बह गया तो रह गया 'पुलि'। दूसरी पंक्ति बताती है कि हमें ऐसा शब्द बनाना है, जिसका अर्थ उसी पंक्ति में है। 'पुलि' के साथ ऐसा शब्द बनाओ जिसका अर्थ 'थाने पर जरूर मिलेंगे' हो। तुरंत दिमाग में आता है 'पुलिस'।

5. इस रपट को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दो-

"नाले में मिले विषाक्त पानी से 55 पशु मरे"। (गुना के सोहनलाल जैन द्वारा नई दुनिया 8 मई, 1988 में छपी रपट के आधार पर)

गुना 7 मई। चौपेट नाले का विषाक्त पानी पीने से 55 पशुओं के मरने की बात ज़िला प्रशासन ने स्वीकार की है। मृत पशुओं के पालकों को मुआवज़ा भी दिया जा रहा है। विजयपुर उर्वरक संयंत्र एक बड़ा कारखाना है, जहां रसायनिक खाद तैयार होती है। यह विषाक्त पानी इस कारखाने से आया। इस कारखाने की जांच की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि विजयपुर संयंत्र से निकलने वाला शोधित जल इस नाले में बहाया जाता है। जिन गांवों से होकर यह नाला बहता है उन गांवों की पंचायतों के सरपंचों ने डोंडी पिटवाकर ग्रामीणों से कहा है कि वे चौपेट नाले के पानी का उपयोग न करें। सरपंचों की राय में विजयपुर कारखाने का ज़हरीला पानी ही नाले में छोड़ा जा रहा है। दूसरी ओर म.प्र. प्रदूषण निवारण मंडल ने भी कारखाने के प्रबंधकों के साथ जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

1. चौपेट नाले के विषाक्त पानी से कैसी दुर्घटना हुई?
2. इस दुर्घटना के शिकार लोगों को क्या राहत मिली?
3. कौन सी सरकारी संस्था ने जांच का भार लिया?
4. क्या इस कारखाने से फैला प्रदूषण, चमड़े के कारखाने के प्रदूषण के समान है? समझाओ।